



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 14 मार्च, 2026

जारी करने का समय: 1430 घंटे

- विषय:** (i) 14 और 16 मार्च को असम में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और 15 मार्च को भारी वर्षा की संभावना है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी 14 और 16 मार्च को; अरुणाचल प्रदेश में 14-16 मार्च के दौरान और नागालैंड में 14 मार्च को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- (ii) मौजूदा पश्चिमी विक्षोभ के कारण 15 और 16 मार्च को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और आसपास के मैदानी इलाकों में ओलावृष्टि के साथ-साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- (iii) एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण 18 मार्च से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और आसपास के मैदानी इलाकों में ओलावृष्टि के साथ-साथ बारिश/गरज, बिजली और तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- (iv) 16 से 19 मार्च के दौरान पूर्वी और आसपास के मध्य भारत में भी तेज हवाओं के साथ गरज के साथ-साथ गरज की संभावना है, जिसकी चरम तीव्रता 16 मार्च, 2026 को होगी।

आज, 13 मार्च, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- विदर्भ के कुछ इलाकों में उष्ण लहर की स्थिति बनी रही।
- असम में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- सौराष्ट्र और कच्छ, विदर्भ, रायलसीमा, मराठवाड़ा के कई स्थानों पर अधिकतम दैनिक तापमान 38-40°C के बीच रहा; मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, मध्य प्रदेश और तेलंगाना के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही; राजस्थान, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल के कई स्थानों पर 35-38°C रहा; पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही; बिहार, ओडिशा, कोंकण और गोवा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही। कल, **अमरावती (विदर्भ)** में अधिकतम तापमान **41.8°C** दर्ज किया गया।
- मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों और झारखंड, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (> 5.1°C) रहा; गुजरात राज्य के अधिकांश स्थानों पर, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पंजाब के कुछ स्थानों पर, बिहार, छत्तीसगढ़, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और मध्य महाराष्ट्र के कुछ स्थानों पर, और मराठवाड़ा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ स्थानों पर, तथा तेलंगाना, रायलसीमा, कोंकण और गोवा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा। असम के कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (< -5.1°C)

रहा। मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी नीचे (-5.0°C से -3.1°C) है, जबकि देश के बाकी हिस्सों में यह सामान्य के करीब है।

- पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, सिक्किम, असम, मेघालय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में न्यूनतम/रात्रि का तापमान $14-18^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, कोंकण और गोवा, गुजरात क्षेत्र, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, केरल और माहे, तमिलनाडु, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप को छोड़कर देश के शेष मैदानी क्षेत्रों में तापमान $18-22^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा, जहां यह $22-27^{\circ}\text{C}$ के बीच था। आज भारत के मैदानी क्षेत्रों में सबसे कम न्यूनतम तापमान **12.9°C अमृतसर और आदमपुर (पंजाब)** में दर्ज किया गया।
- उत्तराखंड और बिहार में न्यूनतम/रात्रि का तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) था; जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) था; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) था और देश के शेष भागों में सामान्य के करीब था।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- पूर्वोत्तर असम और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- निचले स्तर की पछुआ हवाओं में एक गर्त लगभग 93° पूर्व देशांतर के अनुदिश, अक्षांश 22° उत्तर के उत्तर में स्थित है।
- एक गर्त पूर्वोत्तर उत्तर प्रदेश के मध्य भागों से लेकर दक्षिणी आंतरिक ओडिशा तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर फैला हुआ है।
- एक अन्य गर्त मराठवाड़ा से लेकर दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर फैला हुआ है।
- उत्तर भारत में उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम चल रही है, जिसकी मुख्य हवाएँ समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर लगभग 110 समुद्री मील की गति से चलती हैं।
- मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक गर्त के रूप में पश्चिमी विक्षोभ लगभग 60° पूर्व देशांतर के अनुदिश, अक्षांश 32° उत्तर के उत्तर में स्थित है।
- 17 मार्च, 2026 की रात से उत्तर-पश्चिमी भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।
- सिक्किम और उत्तरपूर्वी भारत की ओर नमी के अभिसरण के साथ 30 समुद्री मील प्रति घंटे तक की गति वाली दक्षिण से दक्षिण-पश्चिमी हवाओं का चलना।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 14 मार्च को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में छिटपुट हल्की वर्षा/बर्फबारी की संभावना है। 15 से 20 मार्च के दौरान इस क्षेत्र में वर्षा छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक बढ़ सकती है। 15, 16, 18 और 19 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में, 15 से 19 मार्च के दौरान हिमाचल प्रदेश में, और 14 से 16 मार्च और 18 और 19 मार्च को उत्तराखंड में गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- 15 से 19 मार्च के दौरान पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में, 15 और 16 मार्च को उत्तर प्रदेश में, 14, 15, 18 और 19 मार्च को पश्चिमी राजस्थान में, और 18 और 19 मार्च को पूर्वी राजस्थान में भी छिटपुट हल्की वर्षा, गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- 15 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में, 15 और 18 मार्च को हिमाचल प्रदेश में, 15 और 16 मार्च को उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में, और 16 मार्च को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अगले 5-6 दिनों के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 14 और 15 मार्च को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी बारिश हो सकती है। 14 से 16 मार्च के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में तथा 14 मार्च को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा) तक पहुंच सकती हैं।
- 14 से 16 मार्च के दौरान अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट भारी बारिश/बर्फबारी की प्रबल संभावना है।
- 14 मार्च को नागालैंड में, 15 मार्च को असम और मेघालय में छिटपुट भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। असम में 14 और 16 मार्च को भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 14 से 18 मार्च के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- 15 और 18 मार्च को पश्चिमी मध्य प्रदेश में, 15 से 18 मार्च के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में, 15 से 17 मार्च के दौरान झारखंड, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और बिहार में और 14 से 18 मार्च के दौरान ओडिशा में छिटपुट से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है।
- 16 मार्च को झारखंड, ओडिशा में, 16 और 17 मार्च को छत्तीसगढ़ में, और 17 और 18 मार्च को विदर्भ में कुछ स्थानों पर गरज के साथ तेज हवाएं (50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटे तक के झोंके) चलने की प्रबल संभावना है।
- 14 और 16 मार्च को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की बहुत अधिक संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 15 से 18 मार्च के दौरान तेलंगाना में; 16 मार्च को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 17 और 18 मार्च को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट हल्की/मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है; 15 और 16 मार्च को केरल और माहे में; 17 और 18 मार्च को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तमिलनाडु में गरज और बिजली की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- 18 और 19 मार्च को गुजरात क्षेत्र में गरज और बिजली के साथ छिटपुट हल्की/मध्यम बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 6 दिनों में इसमें 2-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- अगले 2 दिनों के दौरान विदर्भ, छत्तीसगढ़ और पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 5 दिनों में इसमें 2-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- अगले 5 दिनों के दौरान गुजरात और मध्य प्रदेश में अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक गिरावट आने की संभावना है और उसके बाद के 2 दिनों में कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- अगले 24 घंटों के दौरान महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है; उसके बाद के 2 दिनों में इसमें 2-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।

- अगले 2 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 5 दिनों में इसमें 3-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी।

उष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- विदर्भ, झारखंड और ओडिशा में 14 मार्च को उष्ण लहर चलने की संभावना है।
- कोंकण, गोवा और केरल और माहे में 14 मार्च को गर्म और आर्द्र मौसम की संभावना है।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 14 से 17 मार्च 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक दर्ज की गई महत्वपूर्ण वर्षा (सेमी में):

असम और मेघालय: मानस एडब्ल्यूएस 13; रंगिया (जिला कामरूप (ग्रामीण)), तामुलपुर (जिला तामुलपुर), तामुलपुर एआरजी (जिला बक्सा) 11 प्रत्येक; नलबाड़ी/पगलाडिया (नलबाड़ी जिला) 10; मेलाबाजार/माटुंगा (नलबाड़ी जिला) 8; पुथिमारी (जिला कामरूप (ग्रामीण)), गोइबरगांव (जिला बक्सा) 7 प्रत्येक;

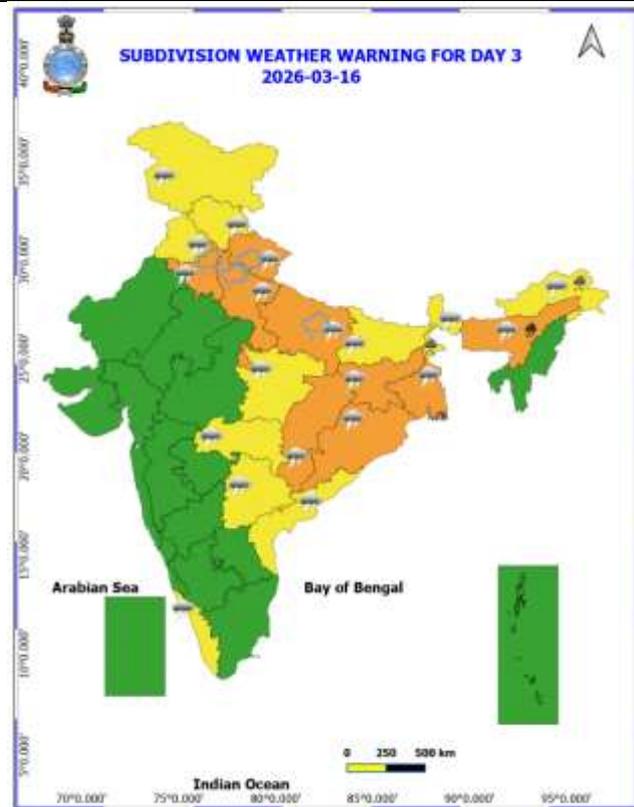
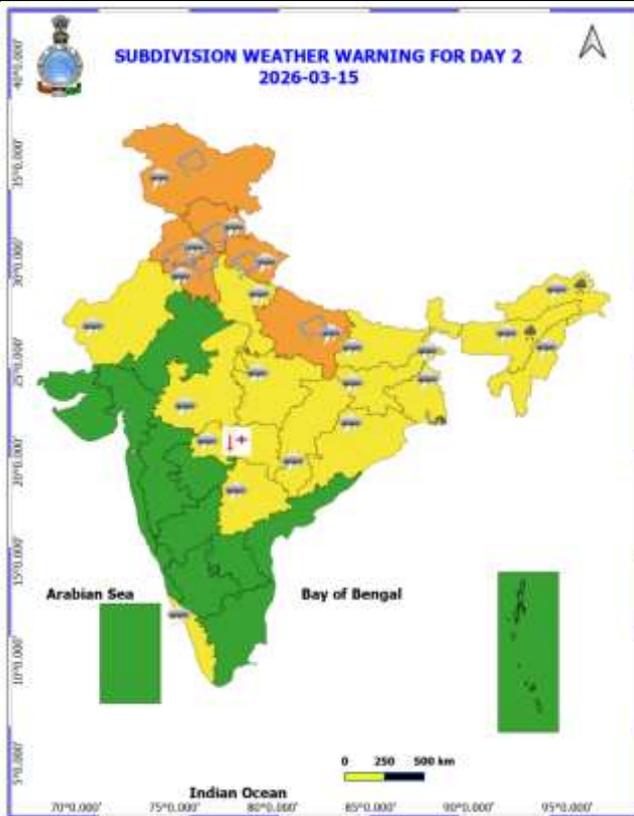
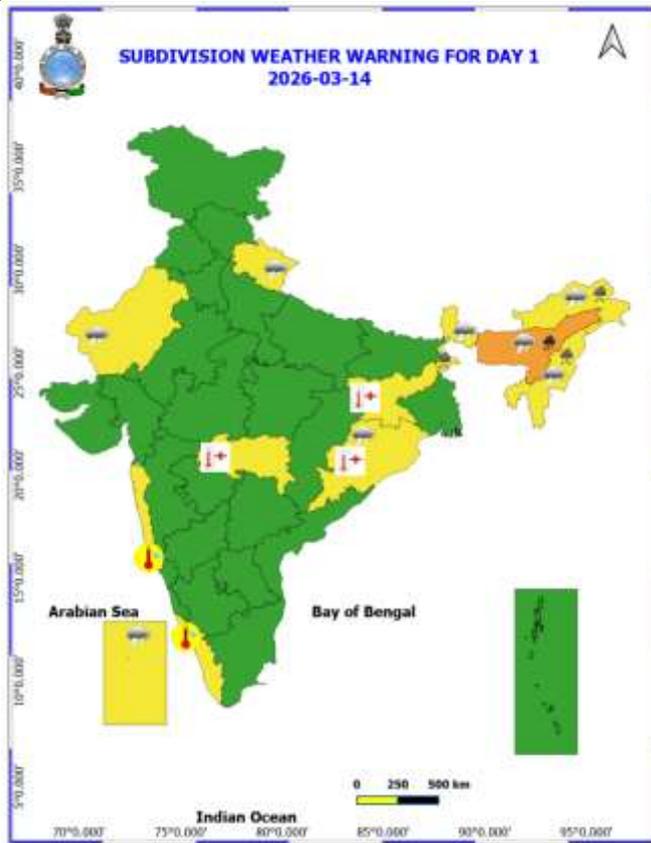
उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: मंगन (जिला मंगन) 8, जयंती अर्ग (जिला अलीपुरद्वार) 7, सिंधिक (जिला मंगन) 7;

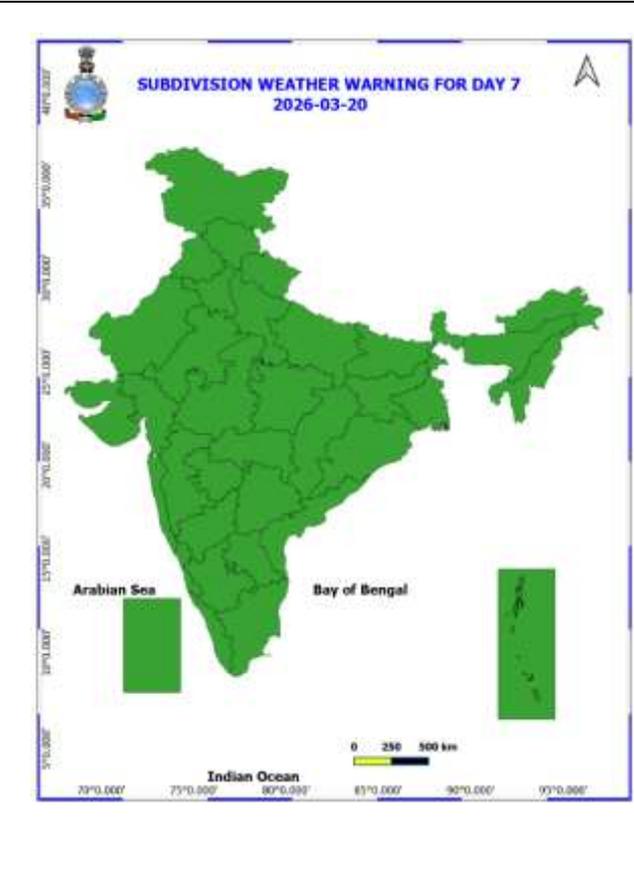
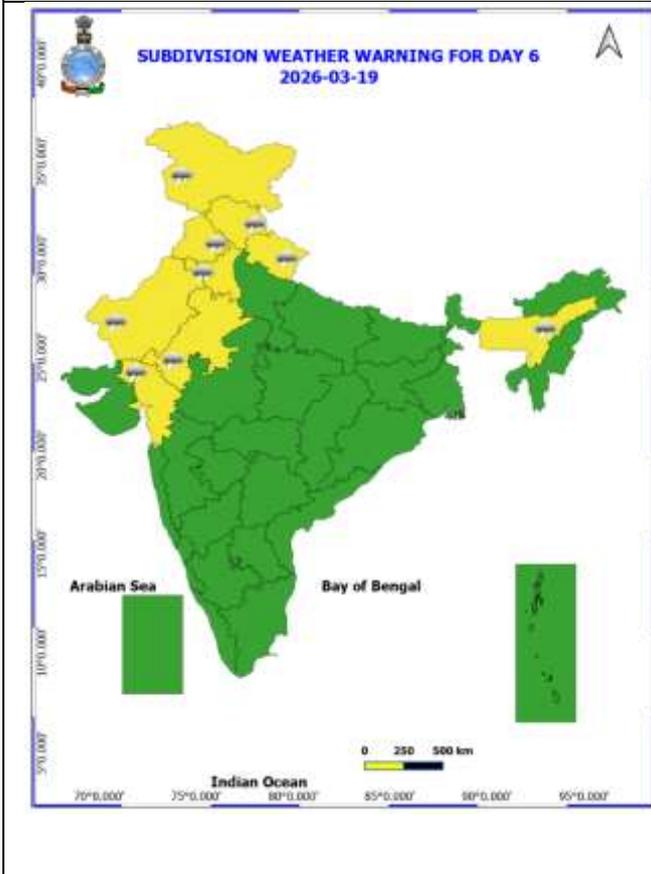
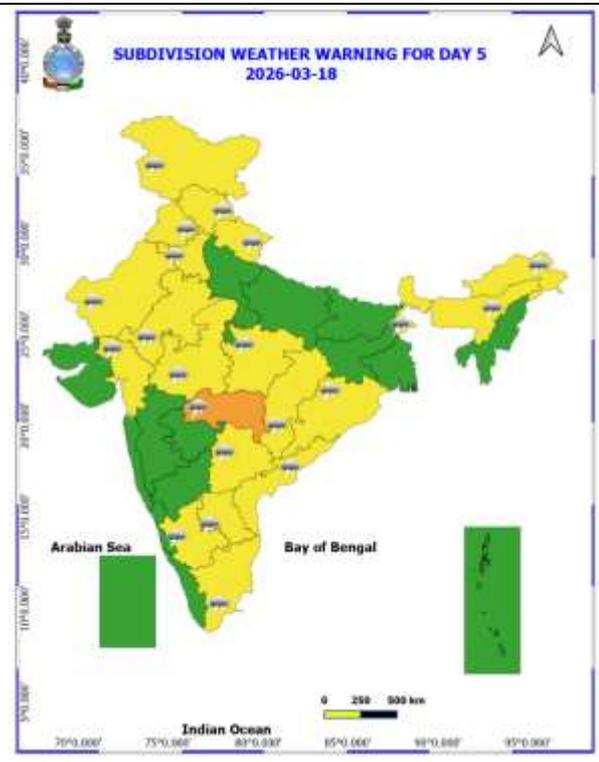
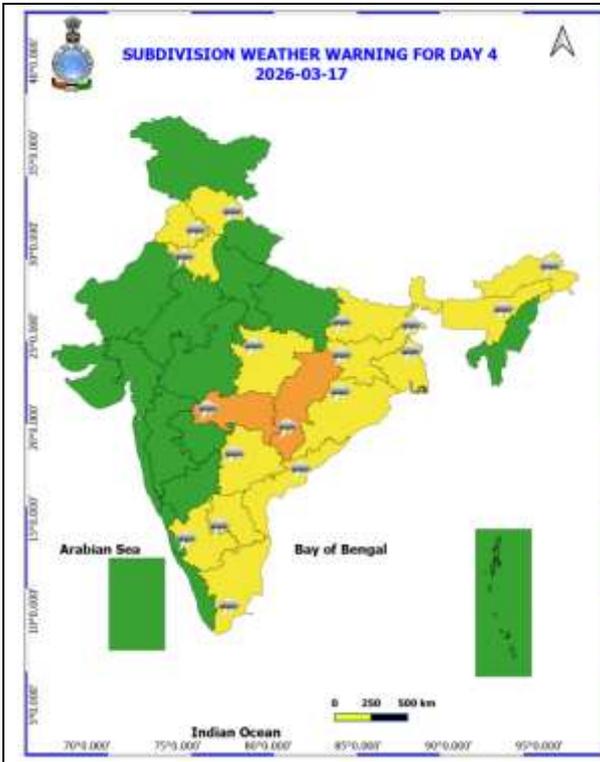
त्रिपुरा: लेम्बुचेरा (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 7;

अरुणाचल प्रदेश: हायुलियांग_सर्कल 7

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	14- Mar	15- Mar	16- Mar	17- Mar	18- Mar	19- Mar	20- Mar
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT						
2	ARUNACHAL PRADESH	W3	W3	W3	FWS	FWS	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	W3	W3	W3	FWS	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	W3	W3	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT
7	ODISHA	ISOL						
8	JHARKHAND	DRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT
9	BIHAR	DRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	ISOL	SCT	DRY	DRY	DRY	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT
12	UTTARAKHAND	ISOL	FWS	FWS	ISOL	SCT	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL						
14	PUNJAB	ISOL						
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	FWS	FWS	ISOL	FWS	FWS	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL						
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
26	VIDARBHA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
27	CHHATTISGARH	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	FWS	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL						
36	LAKSHADWEEP	SCT	DRY	DRY	DRY	SCT	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

14 से 17 मार्च 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 2-3°C और अधिकतम तापमान में 3-4°C की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 31-34°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17-19°C की सीमा में रहे। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहे। कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहे। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और पश्चिमी दिशा से लगातार सतही हवाएं चलीं, जिनकी गति 20 kmph तक रही। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने और उत्तर-पश्चिमी दिशा से हवा की गति 16 kmph तक पहुंचने की उम्मीद है।

मौसम पूर्वानुमान:

14.03.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31°C से 33°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकांश जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) और कुछ अलग-अलग जगहों पर सामान्य से बहुत अधिक (5.0°C या उससे अधिक) रहेंगे। दोपहर के समय मुख्य सतही हवा उत्तर-पश्चिमी दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 kmph तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी और उत्तरी दिशा से 12 kmph से कम हो जाएगी।

15.03.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर के समय हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29°C से 31°C और 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा और कुछ स्थानों पर काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति 16 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। हवा की गति धीरे-धीरे कम होती जाएगी और शाम और रात के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

16.03.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिन के समय सतह पर तेज हवाएँ (रफ्तार 20-30 kmph) चलेंगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 14°C से 16°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास रहेगा; वहीं, दिल्ली में अधिकतम तापमान ज्यादातर जगहों पर सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी रफ्तार सुबह के समय 16 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से आने वाली हवा की रफ्तार बढ़कर 26 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की रफ्तार धीरे-धीरे कम हो जाएगी और दक्षिण-पूर्व दिशा से आने वाली हवा की रफ्तार 14 kmph से कम हो जाएगी।

17.03.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिन के समय सतह पर तेज हवाएँ (रफ्तार 15-25 kmph) चलेंगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 15°C से 17°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली के ज्यादातर स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और कुछ अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पूर्वी दिशा से होगी, जिसकी गति सुबह के समय 26 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर में हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 kmph से भी कम हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति धीरे-धीरे और कम हो जाएगी, और पूर्वी दिशा से 14 kmph से भी कम रह जाएगी।

बिजली/तेज और तेज हवाओं और ओलावृष्टि के साथ अलग-अलग गरज के कारण प्रभाव की उम्मीद और कार्रवाई का सुझाव दिया गया

- ❖ 15 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में; 15 और 18 मार्च को हिमाचल प्रदेश में; 15 और 16 मार्च को उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 16 मार्च को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 16 मार्च को झारखंड, ओडिशा में; 16 और 17 मार्च को छत्तीसगढ़ में; 17 और 18 मार्च को विदर्भ में छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ तेज हवाएं (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 15, 16, 18 और 19 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में; 15 से 19 मार्च के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 14 से 16 मार्च और 18 और 19 मार्च के दौरान उत्तराखंड में; पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 15 से 19 मार्च तक; उत्तर प्रदेश में 15 और 16 मार्च को; पश्चिमी राजस्थान में 15, 18 और 19 मार्च को; पूर्वी राजस्थान में 18 और 19 मार्च को; अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 14 से 16 मार्च तक तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 14 मार्च को; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 14 से 18 मार्च तक; पश्चिमी मध्य प्रदेश में 15 और 18 मार्च को; पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में 15 से 18 मार्च तक; झारखंड, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और बिहार में तथा ओडिशा में 15 से 17 मार्च तक; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 16 मार्च को; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 17 और 18 मार्च को गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और 30-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- पेड़ों की शाखाओं का टूटना, बड़े-बड़े पेड़ों का उखड़ना। पेड़ों से बड़ी-बड़ी सूखी टहनियाँ उड़ना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- शाखाओं के टूटने के कारण बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- तेज़ हवा/ओलावृष्टि से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ओलावृष्टि से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान।
- कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।
- ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

सुझाई गई कार्रवाई:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे खराब होती परिस्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और यदि संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न झुकें।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।
- तुरंत जल निकायों से बाहर निकलें।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

उष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- विदर्भ, झारखंड और ओडिशा में 14 मार्च को उष्ण लहर चलने की संभावना है।

पीला चेतावनी वाले क्षेत्र:

- सामान्य जनता के लिए मध्यम तापमान और गर्मी सहनीय है, लेकिन शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोगों जैसे संवेदनशील व्यक्तियों के लिए मध्यम स्तर की स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हो सकती हैं।
- धूप में निकलने से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का उपयोग करें।

भारी/बहुत भारी बारिश के कारण असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 14 से 16 मार्च के दौरान छिटपुट भारी वर्षा/बर्फबारी की संभावना है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 14 और 16 मार्च को, नागालैंड में 14 मार्च को, असम और मेघालय में 15 मार्च को छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है, साथ ही असम में 14 और 16 मार्च को भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

असर की उम्मीद

- ऊपर बताए गए इलाके के शहरी इलाकों में, खासकर सड़कों पर पानी भर जाना, निचले इलाकों में पानी भर जाना और अंडरपास बंद हो जाना।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी कम हो सकती है।
- सड़कों पर पानी भर जाने से बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आ सकती है, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- कमजोर स्ट्रक्चर को नुकसान होने की संभावना है।
- लोकल लैंडस्लाइड/मडस्लाइड
- कुछ इलाकों में पानी भरने से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी कैचमेंट में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए उपाय

- अपनी डेस्टिनेशन के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम चेक कर लें।
- इस बारे में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइज़री को फॉलो करें।
- उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर पानी भरने की समस्या होती है।
- कमजोर स्ट्रक्चर में रहने से बचें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तर-पश्चिम राजस्थान में फलों के बगीचों और सब्जियों के पौधों को क्षति से बचाने के लिए हेल नेट या हेल कैप का उपयोग करें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, गोभी, मटर, सरसों और देर से पकने वाली धान की किस्मों की कटाई तथा आलू की खुदाई स्थगित। कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा का पानी निकालें। मिर्च, टमाटर और अन्य सब्जियों की नर्सरी को बारिश से पौधों की सुरक्षा के लिए ढके हुए शेल्टर या पॉलीहाउस में तैयार करें। खुली नर्सरी को बारिश से पौधों की सुरक्षा हेतु, तुरंत पॉलीथीन शीट या बोरी से ढक दें।
- असम में, खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा का जल निकाल दें।

- **मेघालय** में, ग्रीष्मकालीन सब्जियों की फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बागवानी फसलों को सहारा दें और छोटे पौधों को भारी बारिश से बचाएं। मटर की तोड़ी गई फलियों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर रखें।
- **नागालैंड** में, सब्जियों और बागों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा का जल निकाल दें। कद्दूवर्गीय पौधों और डल्ले खोरसानी की नर्सरी को पॉलीथीन शीट या एगो-नेट से ढक दें ताकि पौधों को प्रतिकूल मौसम से बचाया जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

उच्च तापमान के संभावित प्रभाव

- वाष्पोत्सर्जन में वृद्धि के कारण मृदा में नमी की कमी तथा फसलों की वृद्धि, बीज विकास और उपज पर प्रतिकूल प्रभाव।
- फसलों की त्वरित परिपक्वता, दानों के भराव की अवधि में कमी और सिकुड़े हुए दाने का बनना, परिणामस्वरूप गेहूं की संभावित उपज में कमी।
- अनाज वाली और अन्य रबी फसलों (जैसे मक्का, ज्वार आदि) में वानस्पतिक से प्रजनन अवस्था के समय नमी तनाव में वृद्धि एवं दानों के भराव में संभावित कमी।
- तिलहनी तथा दलहनी फसलों में फूल झड़ना, फलियों के बनने में विकृति, समय-पूर्व फलियों का सूखना तथा बीज के आकार और वजन में कमी।
- कंद वाली फसलों जैसे आलू इत्यादि में कंद का फुलाव कम होना और पौधे की वृद्धावस्था का शीघ्र आगमन।
- सब्जी वाली फसलों जैसे टमाटर, शिमला मिर्च, पता गोभी और फूलगोभी में फूल झड़ना, फलों का धूप से जलना तथा बिक्री योग्य उपज में कमी।
- बागवानी फसलों (जैसे आम, सेब, संतरा आदि) में फूलों का झड़ना, फल सेटिंग में कमी, समय से पहले फलों का गिर जाना, फलों का धूप से जलना, फलों के आकार में गिरावट, असमान रूप से पकना, स्पंजी टिशू जैसी विकृतियाँ (विशेषकर आम में) तथा कुल उपज और गुणवत्ता में कमी।
- फसलों की जल आवश्यकता में वृद्धि तथा सीमित सिंचाई की स्थिति में जल तनाव का अधिक जोखिम।
- पशुधन तथा मुर्गीपालन में चारे का सेवन में कमी, दूध और अंडा उत्पादन में कमी के साथ-साथ जल आवश्यकता में वृद्धि।

उच्च तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **गुजरात** में, गेहूं (दाना भरने की अवस्था), चना, जीरा और सब्जियों की फसलों में सुबह और शाम के समय हल्की सिंचाई करें। सब्जियों में गर्मी से होने वाले नुकसान से बचाव व मृदा नमी संरक्षण हेतु फसल अवशेषों से मल्लिचंग करें। सब्जियों की नर्सरी और बागों को गर्म हवाओं से बचाने के लिए भूसे या ज्वार की गीली बोरियों जैसी भौतिक बाधाओं का प्रयोग करें।
- **महाराष्ट्र** के, कोंकण क्षेत्र में, सपोटा, मिर्च, बैंगन और टमाटर को शाम या सुबह के समय हल्की और बार-बार सिंचाई प्रदान करें। आम में समय से पहले फल गिरने और धूप से झुलसने से बचाने के लिए नियमित अंतराल पर सिंचाई करें तथा फलों को धूप से झुलसने (सन स्कॉल्ड) से बचाने के लिए कटाई से पहले अखबार के थैलों में पैक (पूर्व-कटाई बैगिंग) करें। **विदर्भ** क्षेत्र में, देर से बोई गई रबी फसलों जैसे गेहूं, मूंगफली, तिल, कुसुम, ज्वार, बागानों और सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें तथा वाष्पीकरण से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए पुआल मलच का उपयोग करें।
- **मध्य प्रदेश** में, उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने के लिए गेहूं, चना और गन्ने की फसलों में हल्की सिंचाई करें। पकी हुई सरसों की कटाई सुबह या शाम के समय पूरी करें और फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

- **छत्तीसगढ़** में, गेहूँ, चना, मसूर और सरसों जैसी खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई नियमित अंतराल पर करते रहें।
- **राजस्थान** में, जीरा, इसबगोल, सरसों तथा चने में सुबह या शाम के समय सुरक्षात्मक सिंचाई प्रदान करें ताकि ताप तनाव कम हो।
- **उत्तर प्रदेश** में, गेहूँ (दाना भरने की अवस्था), सरसों और चने की फसलों में गर्मी के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए सुबह या शाम के समय हल्की सिंचाई करें।
- **पंजाब** में, सरसों, गोभी सरसों और आलू में सिंचाई द्वारा मृदा में आवश्यक नमी बनाए रखें।
- **हरियाणा** में, सरसों और चने में फूल आने और फली बनने के समय हल्की सिंचाई करें। गेहूँ में दाना भरने की अवस्था के दौरान मृदा में पर्याप्त नमी बनाए रखें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, अत्यधिक गर्मी के कारण गेहूँ की फसल की रक्षा के लिए सुबह या शाम के समय सिंचाई करें।
- **उत्तराखंड** में, गेहूँ, चना और मसूर तथा फ्रेंच बीन्स की सिंचाई करें।
- **झारखंड** में, गेहूँ में दाना भरने के चरण में सिंचाई प्रदान करें।
- **ओडिशा** में, बोरो धान, मूंग, उड़द, सब्जियाँ और बागवानी फसलों में सुबह जल्दी या देर शाम हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें।
- खेतों में आवश्यक नमी बनाए रखने हेतु मल्लिचंग, मेंड़बंदी करें तथा अनावश्यक इंटरकल्टीवेशन से बचें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन

- भारी वर्षा / ओलावृष्टि के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें। चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- पशुओं को स्वच्छ, साफ-सुथरा एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं और छाया का इंतजाम करें।
- उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने के लिए पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढक दें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

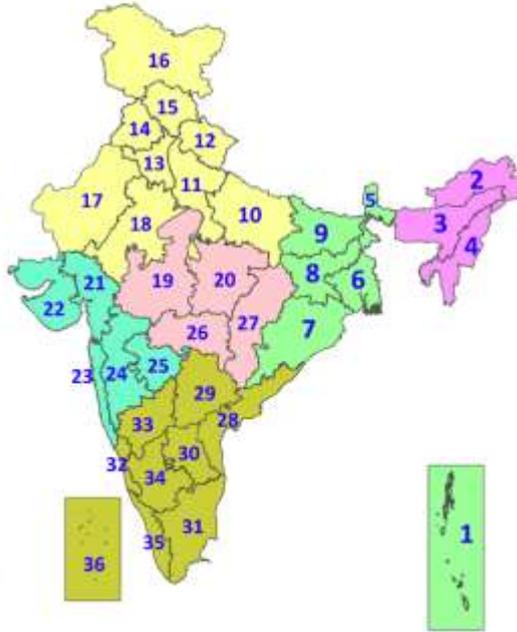
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $>4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $>6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed >87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)